

जैसे बड़ पीपल की पूजा

जैसे बड़ पीपल की पूजा जैसे सास ससुर की सेवा,
सेवा करनी पड़ेगी ससुराल में.....

जैसे पानी कुए का ठंडा जैसे सासू जी का डंडा,
डंडा झेलना पड़ेगा ससुराल में,
जैसे बड़ पीपल की पूजा जैसे सास ससुर की सेवा,
सेवा करनी पड़ेगी ससुराल में.....

जैसे साड़ी का है बॉर्डर जैसे जेठ जी का ऑर्डर,
ऑर्डर झेलना पड़ेगा ससुराल में,
जैसे बड़ पीपल की पूजा जैसे सास ससुर की सेवा,
सेवा करनी पड़ेगी ससुराल में.....

जैसे चाबी का गुच्छा जैसे देवर का है गुस्सा,
गुस्सा झेलना पड़ेगा ससुराल में,
जैसे बड़ पीपल की पूजा जैसे सास ससुर की सेवा,
सेवा करनी पड़ेगी ससुराल में.....

जैसे सावन का हे घेवर जैसे नन्दी का है तेवर,
तेवर झेलना पड़ेगा ससुराल में,
जैसे बड़ पीपल की पूजा जैसे सास ससुर की सेवा,
सेवा करनी पड़ेगी ससुराल में.....

जैसे बरखा की बहार जैसे बलमा जी का प्यार,
प्यार मिलेगा री लाडो ससुराल में,
जैसे बड़ पीपल की पूजा जैसे सास ससुर की सेवा,
सेवा करनी पड़ेगी ससुराल में.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25417/title/jaise-bad-pipal-ki-puja>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |